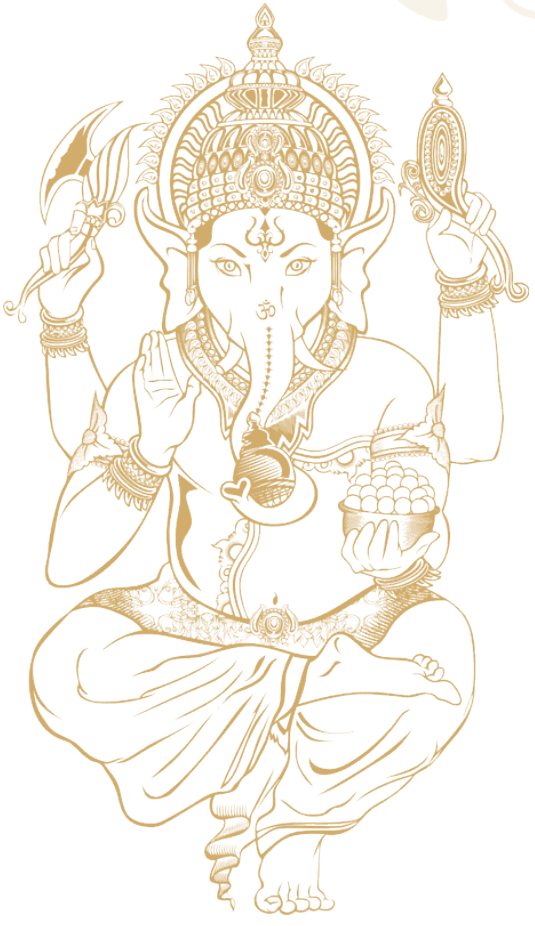

Mr.dikshaAgre

13 Oct 1998

02:20 AM

Nagpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120306404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12-13/10/1998**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:20:00 घंटे**
इष्ट	50:30:35 घटी
स्थान	**Nagpur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	79:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:13:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:06:48 घंटे
वेलान्तर	00:13:25 घंटे
साम्पातिक काल	03:31:42 घंटे
सूर्योदय	06:07:46 घंटे
सूर्यास्त	17:51:35 घंटे
दिनमान	11:43:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	25:28:57 कन्या
लग्न के अंश	01:55:43 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शिव
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	01:55:43	327:04:37	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	25:28:57	00:59:23	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			कर्क	00:24:12	13:08:40	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	स्वराशि
मंगल			सिंह	09:25:33	00:36:29	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	07:20:57	01:34:09	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	25:58:15	00:05:56	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र		अ	कन्या	21:01:17	01:15:02	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शनि	व		मेष	07:11:09	00:04:38	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु			सिंह	06:30:09	00:00:30	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	06:30:09	00:00:30	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	14:59:16	00:00:18	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:32:51	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:20:49	00:01:45	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			वृष	01:25:43	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:14

लग्न-चलित

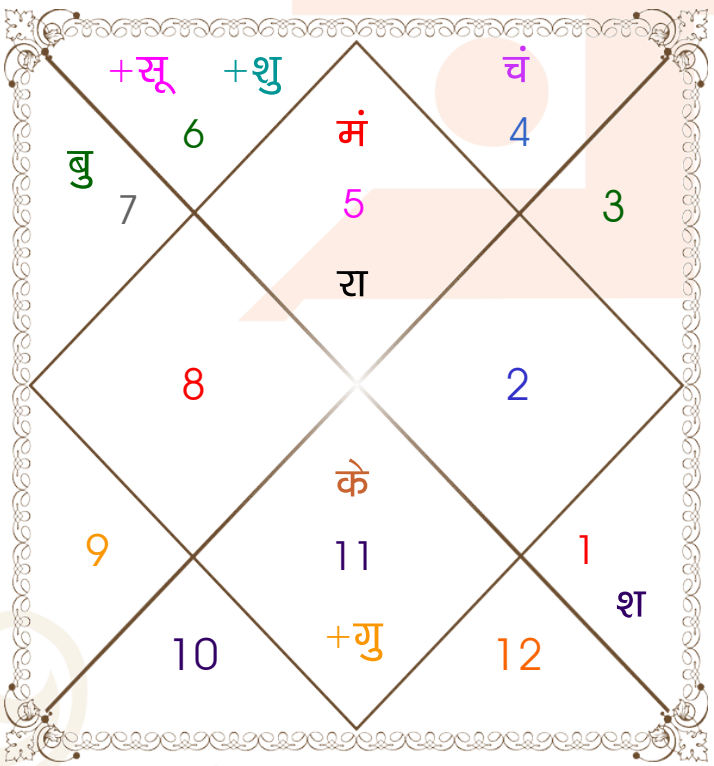

चन्द्र कुंडली

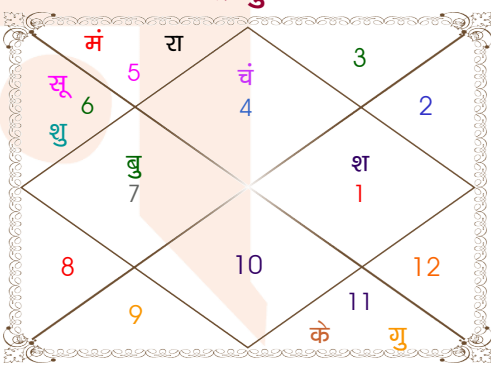

नवमांश कुंडली

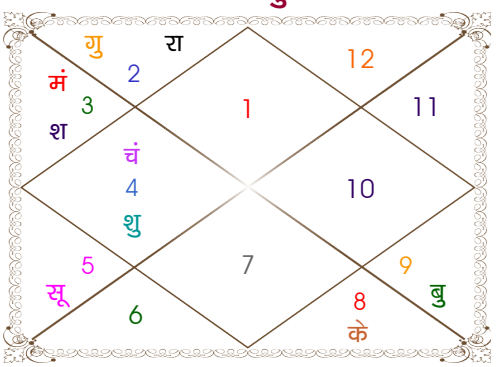

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 6 मास 5 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
13/10/1998		19/04/2002		19/04/2021		19/04/2038		19/04/2045	
19/04/2002		19/04/2021		19/04/2038		19/04/2045		19/04/2065	
	00/00/0000	शनि	22/04/2005	बुध	15/09/2023	केतु	15/09/2038	शुक्र	18/08/2048
	00/00/0000	बुध	31/12/2007	केतु	11/09/2024	शुक्र	15/11/2039	सूर्य	18/08/2049
	00/00/0000	केतु	08/02/2009	शुक्र	13/07/2027	सूर्य	22/03/2040	चंद्र	19/04/2051
	00/00/0000	शुक्र	09/04/2012	सूर्य	19/05/2028	चंद्र	21/10/2040	मंगल	18/06/2052
	00/00/0000	सूर्य	22/03/2013	चंद्र	18/10/2029	मंगल	19/03/2041	राहु	19/06/2055
	13/10/1998	चंद्र	22/10/2014	मंगल	15/10/2030	राहु	07/04/2042	गुरु	17/02/2058
चंद्र	18/12/1998	मंगल	30/11/2015	राहु	04/05/2033	गुरु	14/03/2043	शनि	19/04/2061
मंगल	24/11/1999	राहु	06/10/2018	गुरु	10/08/2035	शनि	21/04/2044	बुध	17/02/2064
राहु	19/04/2002	गुरु	19/04/2021	शनि	19/04/2038	बुध	19/04/2045	केतु	19/04/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/04/2065		19/04/2071		19/04/2081		18/04/2088		20/04/2106	
19/04/2071		19/04/2081		18/04/2088		20/04/2106		00/00/0000	
सूर्य	06/08/2065	चंद्र	17/02/2072	मंगल	15/09/2081	राहु	31/12/2090	गुरु	07/06/2108
चंद्र	05/02/2066	मंगल	18/09/2072	राहु	03/10/2082	गुरु	25/05/2093	शनि	19/12/2110
मंगल	13/06/2066	राहु	19/03/2074	गुरु	09/09/2083	शनि	31/03/2096	बुध	26/03/2113
राहु	07/05/2067	गुरु	19/07/2075	शनि	18/10/2084	बुध	18/10/2098	केतु	02/03/2114
गुरु	24/02/2068	शनि	17/02/2077	बुध	15/10/2085	केतु	06/11/2099	शुक्र	31/10/2116
शनि	05/02/2069	बुध	19/07/2078	केतु	13/03/2086	शुक्र	07/11/2102	सूर्य	19/08/2117
बुध	12/12/2069	केतु	17/02/2079	शुक्र	13/05/2087	सूर्य	01/10/2103	चंद्र	14/10/2118
केतु	19/04/2070	शुक्र	18/10/2080	सूर्य	18/09/2087	चंद्र	01/04/2105		00/00/0000
शुक्र	19/04/2071	सूर्य	19/04/2081	चंद्र	18/04/2088	मंगल	20/04/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 6 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न के उदय काल में मेष राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। यह जन्मकालिक संयोजन उत्तम प्रकार की आकृति स्थापित कर आपकों उत्तम प्रकार का व्यवहार कुशल प्राणी बनाया है।

आप जंगल का राजा सिंह के समान हैं। आप सभी प्रकार की स्थिति का पर्यावलोकन करने के लिए समर्थ हैं आपको प्रकृति ने सभी प्रकार के पत्ते को छाँटने के लिए स्वामित्व प्रदान किया है। अर्थात आप सभी प्रकार के कार्य का सम्पादन कर सकते हैं।

प्रकृति ने आपको साहसी आत्मविश्वासी, नेतृत्व करने के गुणों से युक्त एवं समृद्धवान बनाया है। आप अच्छी प्रकार सोच विचार कर किसी भी विषय में कार्य करें तो आप विजयी हो सकते हैं। परन्तु विषय वस्तु को भली प्रकार अर्थात् सावधानी पूर्वक अग्रसारित करें। आप अन्य लोगों पर अपनी विश्वसनीयता का पूर्ण प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। आप मुक्त हस्त से धन का दुरूपयोग करेंगे तो सन्देह है कि आप इस प्रकार समर्थ नहीं हो सकेंगे। फलस्वरूप इस प्रकार धन का दुरूपयोग करना शोभनीय नहीं है। आप ऐसा अनुभव करें जब आप वृद्धावस्था को प्राप्त होंगे तब तक आपके बैंक का शेष क्षीण हो जाएगा और आप धन के मामले में कमजोर हो जाएंगे। अन्य तथ्य यह है कि जब आपके धन की थैली अन्य के सहयोग में खर्च हो जाएंगे तथा आप इस प्रकार उदारता बरतने के अभिलाषी रहे तो आपकी आकांक्षा अधूरी रह जाएगी। अतः आप दृढ़तापूर्वक अपनी (फिजूल खर्ची) अपव्यय को नियंत्रित करना परमावश्यक है। अतः आप इस प्रवृति का परित्याग करें अन्यथा आपके जीवन के अन्त समय में धन का अभाव कष्टदायक एवं अनुभव पूर्ण रहेगा।

आपकी प्रवृति धार्मिक है। आप धर्मपारायण एवं अपने माता-पिता के प्रति निष्ठावान हैं। आपकी अभ्युक्ति सेवा भावना की रहती है तथा आप विश्वास पूर्वक मानव सेवा को भगवान की सेवा समझते हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए अभावग्रस्त व्यक्तियों को निश्चित रूप से दान करना अनिवार्य है। अर्थात् आप पर्याप्त मात्रा में दान करने में सुखानुभूति करते हैं।

आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप भव्य, दीर्घकाय, चौड़े कन्धे वाले मुलायम और घने बालों वाले समय से पूर्व गंजा हो जाने वाले, वर्त्तमान काल के प्रभावशाली हुक्म चलाने वाले एवं प्रतिभा सम्पन्न दबंग व्यक्ति है। इसलिए आपके अनुकूल पद-प्रतिष्ठा हेतु प्रबन्धक भारी उद्योग/कम्पनी के उच्चाधिकारी या निगम के उच्चाधिकारी का पद उपयुक्त है। आरामदायक वस्तुओं का निर्माण करना अथवा ट्रेडिंग का कार्य करने से अच्छी आय होगी। विडियों कैमरा का कार्य व्यवसाय भी उत्तम होगा। अथवा इसके अतिरिक्त आप व्यवसायों में वित्तीय व्यवसाय बन्धक कार्य, भूमि भवन सम्बंधी क्रय-विक्रय, किराया, भूमि एवं कृषि कार्य अथवा पठन-पाठन, शैक्षणिक संस्थान का संचालन कार्य व्यवसाय भी आपके योग्य है।

सिंह लग्न/राशीय प्रभावित गुणों के आधार पर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। संयोगवश यदा-कदा ज्वर पीड़ा से आक्रान्त भी हो सकते हैं परन्तु शीघ्रतापूर्वक आरोग्य लाभ

प्राप्त कर लेंगे। क्योंकि आप के शरीर में लौह गुण (शक्ति) विद्यमान है। इसके बाद सिंह राशीय निर्देशानुसार आप हृदय रोग, पीठ के रीढ़ की हड्डी रोगादि आपके स्वास्थ्य में न्यूनता ला सकता है। परिणाम स्वरूप हृदय की धड़कन शोथ रोग तथा सिर में चक्कर आना संभाव्य है। अस्तु उत्तम तो यह होगा कि आप अधिक भोजन करना तथा अत्यधिक मद्यपान करने वाली प्रवृति का त्याग करें। यदि आप पूर्णिमा का व्रत रखें तो यह अनिष्टकारी प्रभाव से रक्षा करने में सहायक होगा। आप प्रसन्नतम एवं आनन्ददायक पारिवारिक जीवन तथा स्वस्थ सन्तान एवं समझदार पत्नी को सुख प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 2 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है। आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे। ब्लू, सफेद एवं काला रंग आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।